आओ वीरों को नमन करें,
जिसने अपनी कुरबानी दी ।
प्राणों की परवाह न कर,
भारत को नई रवानी दी ।

माताओं को भी याद करें,
जिनने अपने प्रिय लाल दिए।
मस्तक भारत का ऊंचा कर,
जिसने बड़े कमाल किए।

बिस्मिल, सुभाष, तात्या टोपे,
आजाद, भगत सिंह दीवाने।
सिर कफन बांधकर चलते थे,
आजादी के यह परवाने।

देश आजाद कराने को जब।
पहना केसरिया बाना।
तिलक लगा बहनें बोली,
भैया, विजयी होकर आना।

माताएं बोल रही बेटा,
बन सिंह कूदना तुम रण में।
साहस, शौर्य-पराक्रम से,
मार भगाना क्षणभर में।

दुश्मन को धूल चटा करके,
वीरों ने ध्वज फहराया था।
जांबाजी से जीत यद्ध,
भारत आजाद कराया था।

जय हिंद- जय भारत